[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3450 **F-6** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 2271601

Name of the Paper : Indian Economic Development : Historical Perspectives and current Issues - II

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks, 15 marks each.
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान है, प्रत्येक का 15 अंक।
3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों का उत्तर दे।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Analyse the macroeconomic developments in India since 2007-08. Discuss the key policy challenges for achieving high growth of Indian economy?

   वर्ष 2007-08 के बाद से भारत में समष्टिगत आर्थित विकास का विश्लेषण कीजिए। भारतीय अर्थव्यवस्था में उच्च विकास दर हासिल करने के लिए प्रमुख नीतिगत चुनौतियों पर चर्चा कीजिए?

2. "Evidence from Bombay and Jamshedpur mills suggests that the creation of a disciplined industrial labour force in India was not particularly difficult. If there were differences in the workforce behaviour, these flowed from employer policy and not from kinship, caste and rural links of the industrial labour force". Discuss.

P.T.O.

'बॉम्बे और जमशेदपुर मिलों के साक्ष्य से पता चलता है कि एक अनुशासित औद्योगिक श्रम शक्ति का निर्माण भारत में विशेष रूप से मुश्किल नहीं था। यदि यहाँ श्रम शक्ति के व्यवहार में भिन्नता थी तो ये नियोक्ता नीति के कारण थी न कि औद्योगिक श्रम शक्ति के वंश, जाति और ग्रामीण परिवेश से प्रभावित थी"। व्याख्या कीजिए।

3. "It was not commercialization but technical stagnation, poor resource endowment and structure of land rights that led to a prolonged period of agricultural stagnation in India". Do you agree? Give reason in support of your answer.

"यह व्यावसायीकरण नहीं बल्कि तकनीकी गतिहीनता, ख़राब संसाधन बंदोबस्ती और भूमि अधिकार की संरचना थी जो भारत में कृषि में दीर्घकालीक गतिहीनता के लिए उत्तरदायी थे।" क्या आप सहमत हैं? सकारण उत्तर दीजिये।

4. Discuss the key policy issues for achieving more inclusive, faster and sustainable agricultural growth in India.

भारत में तीव्र, समावेशी और सतत् कृषि विकास को प्राप्त करने के लिए प्रमुख नीतिगत मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

5. Examine the industrial performance in India since 1991. Do you think that economic reforms have delivered expected results in promoting faster output and employment growth in India? Discuss.

1991 के बाद से भारत में औद्योगिक प्रदर्शन का परीक्षण करें। क्या आपको लगता है कि आर्थिक सुधारों ने भारत में तेजी से उत्पादन और रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने में अपेक्षित परिणाम दिया है? चर्चा कीजिए।

6. How far the Competition Act of 2002 is different and superior to the MRTP Act. Discuss in detail.

किस हद तक 2002 की प्रतिस्पर्धा अधिनियम एमआरटीपी अधिनियम से अलग और बेहतर है। विस्तार से चर्चा करें।

7. "There is certainly no clear superiority of private vis-a-vis public ownership from the standpoint of economic theory; it is rather degree of competition which matters". Discuss.

"आर्थिक सिद्धांत की दृष्टि से निजी स्वामित्व की तुलना में सार्वजनिक स्वामित्व की कोई स्पष्ट श्रेष्ठता नहीं है; यह प्रतियोगिता का स्तर है जो मायने रखता है।" चर्चा कीजिए।

8. "Service sector in India has exhibited phenomenal growth in employment, trade and capital flows". In this context explain the overall performance of the India Economy in the post economic reform period.

"भारत में सेवा क्षेत्र ने रोजगार, व्यापार और पूंजी प्रवाह में अभूतपूर्व वृद्धि का प्रदर्शन किया है।" इस संदर्भ में आर्थिक सुधार की अवधि के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन का वर्णन करें।